मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

मोहयाल संस्कृति, युवा और नए संकल्प

■ **अशोक लव**

सामाजिक परिवर्तनों के साथ–साथ मोहयाल समाज भी तेजी के साथ नए वातावरण में स्वयं को ढाल रहा है। परिवर्तन की प्रक्रिया के साथ जो कदम से कदम मिलाकर चलते हैं, वही सफलताओं के शिखरों को छू लेते हैं। इस प्रक्रिया में नई–नई तकनीकों को अपनाना, नए–नए संसाधनों का समाज के हित के लिए उपयोग करना शामिल है। संचार माध्यमों के तेज़ी से बदलते स्वरूप और नित नए–नए आविष्कारों ने हमें सीधे प्रभावित किया है। इन सबके बीच जीते हुए हमें इनका प्रयोग और उपयोग न केवल अपने हित के लिए करना चाहिए अपितु पूरे समाज के लिए भी करना चाहिए। मोहयाल समाज सदा प्रगतिशील रहा है इसलिए सदियों से जीवंत है और अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। अपने पारंपरिक स्वरूप और संस्कृति को सुरक्षित रखे हुए है।

युवा पीढ़ी में अद्‌भुत चेतना और जाग्रति आई है। उनके समक्ष अनेक चुनौतियाँ हैं। प्रत्येक युग में युवाओं के समक्ष सबसे अहम चुनौती आर्थिक रूप से स्वालंबी होने की आती है। आज भी युवा इसका सामना कर रहे हैं और भावी युवा भी ऐसा ही करते रहेंगे। मोहयाल युवा सजग और सतर्क हैं। वे सुशिक्षित होकर व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भर हो रहे हैं, उच्च पदों पर आसीन हैं। यह सुखद स्थिति है। इसके साथ–साथ युवा मोहयालों में सांस्कृतिक चेतना भी आई है। उनमें अपने पूर्वजों के संस्कार आए हैं और नए युग के साथ चलने की क्षमता आई है। विभिन्न मोहयाल मिलन समारोह इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। देश के विभिन्न अंचलों–देहरादून, फरीदाबाद, जालंधर, लांबड़ा, पुणे, मुंबई, अंबाला, यमुनानगर, आगरा, करनाल, नारायणगढ़, बराड़ा, कठुआ, खमरिया, चंडीगढ़, पंचकुला, कुरूक्षेत्र, बंगलुरु, होशियारपुर, सोलन, शिमला, अमृतसर, लुधियाना, खन्ना, पानीपत, अबोहर, गुड़गांव, दिल्ली, पांवटा साहब और सिरसा आदि में मोहयाल अत्यंत सक्रिय रहे हैं और हुए हैं। युवा आगे आकर नई सभाएँ गठित कर रहे हैं। पुरानी सभाएँ जो निष्क्रिय हो गई हैं, उन्हें सक्रिय करने के प्रयास कर रहे हैं।

वही संस्कृति, वही कौमें ज़िंदा रहती हैं जिसके साथ युवा पीढ़ियाँ जुड़ी रहती हैं। मोहयाल समाज, मोहयाल कौम, मोहयाल संस्कृति इसीलिए जीवंत है क्योंकि इसके साथ युवा पीढ़ियाँ हमेशा सक्रिय रही हैं।

समाज के प्रत्येक व्यक्ति का उत्तरदायित्व हो जाता है कि वह यथासंभव योगदान करके समाज की एकता और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करे। निःस्वार्थ भाव से समाज–सेवा का लक्ष्य सामने रखकर कार्य करे। कुछ लोग स्वार्थवश और पद–लोलुपता के कारण समाज की एकता को खंडित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। ऐसे तत्वों से सतर्क रहने की नितांत आवश्यकता है। सोशल मीडिया मोहयाल एकता और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। इसका सदुपयोग करने की आवश्यकता है। मिथ्या प्रचार, दुर्भावनापूर्ण आरोप–प्रत्यारोप द्वारा सौहार्द और अपनत्व के वातावरण को दूषित करने के प्रयास मोहयाल संस्कृति के लिए घातक हैं। प्रत्येक सकारात्मक सोच के मोहयाल को बढ़–चढ़कर आगे आना चाहिए और सोशल मीडिया के मोहयाल सभ्यता और संस्कृति को सुदृढ़ करने का माध्यम बनाना चाहिए।

इतिहास के पृष्ठों पर अपनी महानता की गाथाएँ लिखकर हमारे महान मोहयाल अमर हो गए हैं। हमें उनके पद–चिह्नों पर चलने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में 'जनरल मोहयाल सभा' देश के विभिन्न अंचलों के युवाओं को संवारने के लिए शीघ्र ही मंच प्रदान करने जा रही है। आशा है युवा इस सुअवसर का लाभ उठाएँगे।

नव वर्ष 2014 के शुभागमन पर चिंतन करें कि हमने अपने समाज के कल्याण के लिए क्या किया है, हम इसके कल्याण लिए क्या कर सकते हैं आइए, नव वर्ष में हम सब मिलकर कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने का संकल्प लें! मन–मन–धन से सेवा कार्यों में लिप्त हों। देश–विदेश में बसे प्रत्येक मोहयाल के लिए नया वर्ष सुख–समृद्धि से परिपूर्ण और मंगलमय हो।

जय मोहयाल!

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जन्मदिन मुबारक

मास्टर देवांश दत्ता सुपुत्र श्री विकास दत्ता एवं श्रीमती ममता दत्ता, पौत्र श्री तुषाकांत दत्ता एवं श्रीमती कमलेश दत्ता, दोहता श्री जगदीश लाल वैद एवं श्रीमती उर्मिला वैद का 12वां जन्मदिन बड़ी धूमधाम से उनके निवास सैक्टर 9, करनाल (हरियाणा) में मनाया गया। केक काटने की रस्म के बाद मास्टर देवांश दत्ता एवं उसके भाई लोविश दत्ता ने अपने दोस्तों के साथ आमंत्रित रिश्तेदारों और जानकारों से सजी महफिल को मस्ती और हंगामे से रंग डाला, जिसका उपस्थित मेहमानों ने भरपूर आनन्द लिया। स्नेह एवं लज़ीज खाने के साथ की गई आवाभगत ने इस मौके को उत्सव का रूप दे दिया।

सभी मेहमानों ने जन्मदिन के हीरो को स्वस्थ, दीर्घायु, काबिल और नेक मोहयाल बनने का आशीर्वाद दिया। इस शुभ अवसर पर देवांश दत्ता के चाचा–चाची श्री विशाल दत्ता एवं श्रीमती मोनिका दत्ता ने जी.एम.एस. में विधवा फंड हेतु 251 रु. भेंट किए।

■ **विकास दत्ता** सुपुत्र श्री तुषारकांत दत्ता एवं श्रीमती कमलेश दत्ता, पौत्र स्वर्गीय श्री एम.एल. दत्ता एवं स्वर्गीय श्रीमती सुहागरानी दत्ता का 39वाँ जन्मदिन उनके निवास ए–26 ओम विहार, उत्तम नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जी.एम.एस. के आजीवन सदस्य श्री विकास दत्ता दो बेटों के देवांश दत्ता और लविश दत्ता के पिता बड़े हंसमुख स्वभाव के हैं। पत्नी श्रीमती ममता दत्ता कुशल गृहिणी के साथ साथ बड़े सरल स्वभाव की हैं। श्री विकास दत्ता हॉयर एप्लांइसिस प्रा.लि. में अस्टिेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। माता पिता के साथ आमंत्रित सभी मेहमानों ने उन्हें दीर्घायु का आशीर्वाद दिया।

इस शुभ अवसर पर उनके भाई–भाभी श्री विशाल दत्ता एवं श्रीमती मोनिका दत्ता ने जी.एम.एस. को विधवा फंड हेतु 251 रु. भेंट किए।

मुंडन संस्कार की बधाई

बेबी माहिरा दत्ता सुपुत्री श्री शैशव दत्ता व चंचल दत्ता पौत्री श्री सुधीर कुमार दत्ता व श्रीमती वीना दत्ता जी ने अपनी पौत्री माहिरा दत्ता के मुंडन रस्म पावन धरती हरिद्वार 18 अक्तूबर को विधि विधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस समारोह में बेबी माहिरा के नानाजी श्री वेद प्रकाश छिब्बर नानी श्रीमती नीलम छिब्बर तथा रिश्तेदार सम्मलित हुए। सभी ने इस खुशी के अवसर को और खुशनुमा करते हुए बेबी माहिरा के समस्त परिवार को सभी ने बहुत–बहुत बधाई दी। इस खुशी की पावन बेला पर बेबी माहिरा के नानी नाना जी ने मोहयाल सभा बराड़ा और जीएमएस को एक सौ एक रुपए दोनों को भेंट किए। मोहयाल सभा बराड़ा व जनरल मोहयाल सभा की ओर से दोनों परिवारों को बहुत–बहुत बधाई।

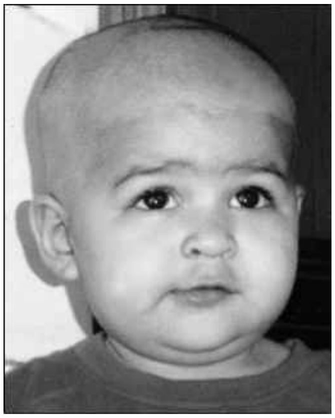

भाई मतिदास शहीदी दिवस

शहीदी भाई मतिदास जी अपने धर्म की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर देने वाले वीर सपूतों में भाई मतिदास जी छिब्बर का नाम बड़े आदर से लिया जाता है। भाई जी का जन्म 13 जनवरी 1641 ई. को लोहड़ी वाले दिन गाँव करियाला तहसील चकवाल जिला जेहलम (पाकिस्तान) में हुआ था। इनके पिता जी का नाम कूल दास तथा दादा द्वारका दास थे जिनका सम्बन्ध मोहयाल जाति सारस्वत ब्राह्मण से है तथा इनका गोत्र भार्गव (भृगु) है। आपके पूर्वजों में सिन्धु अधिपत्ति महाराजा धारसैन और फिर मेरा नरेश राजा गौतम हुए जो आक्रमणकारी मुगल बादशाह बाबर से युद्ध करते हुए 1519 ई. में अमृत्व को प्राप्त हुए। राजा गौतम के मात्र एक ही पुत्र पराग दास थे जो बाबा परागा के नाम से जाने गए जिन्होंने गाँव करियाला की 1526 ई. में नीवँ रखी। गुरु हरगोविन्द जी ने अपने पिता गुरु अर्जुन देव पर हुए अत्याचारों के विरोध में सैना का गठन किया और बाबा परागा जी को उसका सैनापति नियुक्त किया। उस समय उनकी आयु लगभग 130 वर्ष थी इसी लिए उन्हें बाबा बुड्ढा भी कहा गया। भाई मतिदास जी बाबा परागा जी के पड़पोते थे। गुरु हरगोविन्द जी ने बाबा परागा जी के पोते लखी दासजी को भाई की उपाधि से सुशोभित किया इसीलिए उनके वशंज छिब्बर जो करियाला से संबधित हैं अपने नाम के साथ भाई शब्द का प्रयोग करते हैं और मुझे भी यह गौरव प्राप्त है। जब गुरु तेगबहादुर गद्दी पर बैठे तो उन्होंने भाई मतिदास जी को अपना मंत्री नियुक्त किया और सतलुज नदी के तट पर बसाए गए अनन्दपुर साहिब तथा कीरतपुर का शासन प्रबन्ध उन्हें सौंपा। इसी बीच मुगल शासक औरगंजेब ने सत्ता संभालते ही हिन्दुओं पर अत्याचार तथा जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करना शुरू किया जिसका भाई जी ने विरोध किया।

अतः 5 नवंबर 1675 ई. को मलकपुर के सूबेदार वज़ीर खान द्वारा इन्हें पकड़ कर दिल्ली लाया गया। आगरा से गुरु तेगबहादुर और भाई दयालदास जी को भी दिल्ली लाया गया। चाँदनी चौक दिल्ली में जहाँ अब गुरु द्वारा सीस गँज है वहाँ कोतवाली में तीनों को कैद कर इनके समक्ष दो प्रस्ताव रखे कि वह धर्म बदल कर वैभव पूर्ण जीवन व्यतीत करें अथवा यातना पूर्ण मृत्यु के लिए तैयार हो जाएं। आप सबने मृत्यु का सहर्ष स्वागत किया। परिणाम स्वरूप तीनों को भिन्न–भिन्न प्रकार से 9,10,11 नवम्बर 1675 ई. को मृत्यु दण्ड दिया गया। जिन में सबसे पहले भाई मतिदास जी को चाँदनी चौक दिल्ली में गुरूद्वारा सीसगंज के सामने फव्वारा चौक में आरे से चीरा गया। भारत सरकार द्वारा पूज्य भाई जी के नाम पर उस स्थान को भाई

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मतिदास चौक का नाम दिया गया। इसके अतिरिक्त 162 प्रेमनगर स्थित मोहयाल सभा अम्बाला द्वारा निर्मित भवन को भी उन्हीं के नाम पर शहीद भाई मतिदास मोहयाल भवन नाम दिया गया है। यूँ तो मोहयाल इतिहास बलिदानियों का इतिहास है पर अंग्रेजों से आज़ादी के लिए मर मिटने वालों में परम शहीद भाई बाल मुकन्द जी तथा काला पानी में यातनाएं सहने वाले देवता स्वरूप भाई परमानन्द जी भी इस छिब्बर वंश से संबंधित हैं।

*द्वाराः– भाई एस.एस. छिब्बर, सीनियर वाईस प्रिजीडेंट
अंबाला शहर।*

स्पष्टीकरण

जो कॉलम 'मोहयाल मित्र' के ताज़ा अंक (दिसंबर 2013) में श्री सुनील दत्त एवं श्री संजय बक्षी के नाम से छपा है वह विवादित कॉलम पढ़कर मुझे नहीं एवं समस्त उत्तम नगर मोहयाल सदस्यों को ठेस पहुँची है। यह विवादित कॉलम एकतरफा प्रतीत होता है क्योंकि 21 अक्तूबर 2013 को मेरे द्वारा एक विस्तार से पत्र द्वारा पूरा वृतांत जी.एम.एस. को भेज दिया गया था और यह भी सूचित कर दिया गया था कि हमारी सभा 10 अक्तूबर 2013 को चुनाव करने जा रही है। मैंने उत्तम नगर मोहयाल सभा के पट पर पोस्ट लिखी थी जो कि लोकल सर्कुलेशन के लिए थी। उसमें मैंने कुछ भी किसी व्यक्ति के खिलाफ़ नहीं कहा, जो वास्तविकता थी वो लिखी एवं आह्वान किया कि जो भी सभा सुचारू रूप से चलाना चाहता है, वह सामने आए और लोग आगे आए एवं चुनाव हुआ। इस कॉलम के छपने से न केवल मन में रोष हुआ अपितु समस्त उत्तम नगर मोहयाल सदस्यों को ठेस पहुँची है एवं मोहयाल मित्र के ऊसुलों के भी विरुद्ध है। अतः मेरा आपसे निवेदन है कि इस लेख के संदर्भ में अगले अंक में ज़रूर छापें जिससे मोहयाल मित्र के सभी पाठकों को सही जानकारी हो सके।

भवनिष्ठ

(अनिल कुमार बाली)
मोहयाल सभा उत्तम नगर, मोः 9811739590

मोहयाल मेला एवं भाई मतिदास बलिदान दिवस

10 नवंबर 2013 को अंबाला में मोहयाल मेला व भाई मतिदास बलिदान दिवस मनाया गया। मेले की सफलता के लिए प्रबंधकों को बहुत–2 बधाई हो। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी का भाषण बहुत अच्छा लगा। पिछले कुछ वर्षों में मोहयाल समाज ने जो प्रगति की है। उस पर संक्षेप में बाली जी ने प्रकाश डाला। ऐसा कहना बहुत जरूरी था। भगवान उनको स्वस्थ रखे, ताकि वे समाज के हित में काम करते रहें। एक मुस्लिम भाई ने मंच पर जो कहा, वह सराहनीय है। हिन्दु–मुस्लिम एकता का आदर्श उदाहरण उन्होंने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, ''औरगंजेब खतम हो गया, परन्तु भाई मतिदास अमर है''। एक वक्ता ने कहा, ''हमारी आवाज अम्बाला तक न रहे, यह दिल्ली तक जानी चाहिए।'' मैं उनसे पूछना चाहती हूँ कि आपकी आवाज पटियाला, अमृसर तक क्यों नहीं जानी चाहि, जहाँ भाई मतिदास के विषय में मनगड़न्त कथाएँ रची जा रही है। उन्हें करियाला का छिब्बर, मोहयाल ब्राह्मण न कह कर, रांगड़ व लौंगोंवाल का बताया जा रहा है। आज का पंजाबी लेखक सिक्ख इतिहास बदल रहा है।

भारतीय विद्या भवन, मुम्बई में प्रकाशित पुस्तक में सिक्ख पंथ का सही चित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। लेखक ने लिखा है, ''सिक्ख कौम में जट्ट और राजपूत दो जातियां हैं।'' यदि लेखक ने सिक्ख इतिहास का अच्छी तरह अध्ययन किया होता, तो ऐसा न लिखता। वर्ल्ड इन्साईक्लोपीडिया में लिखा है। ''गुरू तेगबहादुर साहिब ने कश्मीरी पंडितों के लिए बलिदान दिया। विश्व में यह अजीब घटना है, जब एक धर्म के लोगों ने दूसरे धर्म के अनुयायियों के लिए बलिदान दिए हो।'' कश्मीरी पंडितों का सिक्ख पंथ के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान है। छापा खाना आरम्भ होने से पूर्व सिक्ख–पंथ के धार्मिक ग्रन्थ, विशेष कर श्री गुरू ग्रंथ साहिब कश्मीरी पंडित हाथ से लिखते थे।

जब भाई मतिदास, भाई सतीदास, भाई दयाला और श्री गुरू तेगबहादुर जी के बलिदान का दुखद समाचार कश्मीरी जनता ने सुना, तो स्वाभिमानी युवक सिर पर कफन बांध कर लड़ने–मरने को तैयार हो गए। पं. कृपाराम दत्त पाँच सौ शस्त्रधारी युवकों को लेकर आनन्दपुर साहिब पहुँच गए। सेना की बागडोर संभालने वालों में पं. कृपाराम के अतिरिक्त राम, गुरमुख, सन्मुख और दयाराम थे। जो खालसा सजने के बाद क्रमशः कृपा सिंह, राम सिंह, गुरमुख सिंह, सन्मुख सिंह और दया सिंह प्रसिद्ध हुए। कुइर सिंह ''गुरू विलास पातशाही दस'' में लिखते हैं–

*कश्मीरी सिंह बने अनूपा। जात विप्र की जानो रूपा।।
पंच विप्र सिंह बने अनूपा। सांगो पांग सुसत सरूपा।।*

सिक्ख इतिहास में रूचि रखने वाले विद्वानों को मैं परामर्श दूँगी कि वे प्राचीन सिक्ख–इतिहासकारों की पुस्तकें पढ़ें, आजकल के पंजाबी लेखकों की मन घडन्त कहानियाँ न पढें।

प्राचीन लेखक– भाई केसर सिंह छिब्बर जिनका पालन–पोषण माता सुन्दरी ने किया था, और उनसे ''दसां पातशाहीयां दा इतिहास'' लिखवाया।

सुक्खा सिंह का गुरू विलास
सुरूप सिंह कौशिश गुरू की साखियां

भाई संतोष सिंह– श्री गुरू प्रताप सूर्य, गण्डा सिंह, तेजा सिंह–ए शार्ट हिस्ट्री ऑफ द सिक्खस, मुरवइ निर्मला सन्तों ने भी सिक्ख पंथ का इतिहास लिखा है। ये लेखक आधुनिक सिक्ख लेखकों से अलग हैं। ऐसे अवसरों पर अर्थात् भाई मतिदास शहीदी दिवस पर बाबा परागा दास छिब्बर, भाई पेरा छिब्बर, चौपत राय छिब्बर, द्वारका दास, हीरा लाल या कबूल दास, दुर्गामल, भाई मतिदास, सतीदास, दुर्गामल के पुत्र धर्मचन्द, साहिब चन्द, गुरबख्स सिंह, भाई केसर सिंह छिब्बर आदि के विषय में भी कुछ कहना जरूरी है हमारे युवा वर्ग और बच्चों को इससे लाभ होगा।

देश व धर्म पर मर मिटने वालों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होती, यदि जोशीले, वीर रस पूर्ण गीत गाए जाते। केवल एक युवक ने वीर रस की कविता पढ़ी। खैर, शेष कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा। अंबाला के मोहयाल समाज को बहुत –बहुत बधाई।

–डॉ. लज्जा देवी मोहन
मो. 9671432717

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

नव वर्ष-2014 का संकल्प

अन्य वर्षों की भाँति वर्ष–2013 भी बिरादरी एवं इसके परिवारों की उन्नति और सुख–शांति में भागीदार रहा है। यह वर्ष जहां परिवारों की सुख–शांति में भागीदार रहा, वहीं पर यह कुछ परिवारों में दुःखद घटनाओं के घटने में भी भागीदार है। इन सभी परिस्थितियों का सामना करते हुए फिर भी बिरादरी के लगभग सभी बहन–भाई अपने परिवारों, संबंधियों, मित्रों एवं समाज में सुख–शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

शीघ्र ही हम दृढ़–विश्वास के साथ सबकी सुख–शांति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ नव वर्ष–2014 में प्रवेश करेंगे। जो भाई वर्ष–2013 में कुछ बाधाओं के कारण अपने जीवन संबंधी लक्ष्य की पूर्ति में पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सके। आशा है कि अब इन बाधाओं पर विजय पाने के लिए इन भाईयों ने वर्ष–2014 के लिए अपनी योजना तैयार कर ली होगी। अपनी पारिवारिक प्रगति एवं सुख–शांति के लिए तो हम नव वर्ष की योजना बनाते हैं जबकि समाज में संबंधियों एवं मित्रों के लिए नववर्ष के मंगलमय होने की शुभकामना करते हैं।

नव वर्ष में प्रवेश करने से पूर्व आओ हम उन आश्रयहीन, विधवा बहनों, जरूरतमंद बहन–भाईयों एवं गरीब विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता देने का चिंतन करें जिनको आर्थिक सहायता एवं हमारे सहयोग की जरूरत है। हमारे धर्म में परोपकार को बड़ा महत्वपूर्ण माना गया है। परोपकार से पुण्य होता है। संसार में सब एक–दूसरे से मिल–जुलकर एक–दूसरे से सहयोग करके ही सफल जीवन व्यतीत कर सकते हैं। हम जब यह सहयोग निःस्वार्थ और निष्काम भाव से करते हैं तो उसे 'दान' की संज्ञा दी गई है और 'गीता' के अनुसार 'दान' का भाव है 'समाज का ऋण चुकाना'।

बिरादरी के लिए नववर्ष में आपके मंगलमय की कामना तभी सार्थक होगी यदि आप उपरोक्त सभी जरूरतमंदों की आर्थिक सहायता में भागीदार होंगे और इनको अपने साथ लेकर चलेगें जिससे वे भी बिरादरी में सुख–शांति एवं आदरपूर्वक अधिकार सहित रह सके। आओ नववर्ष–2014 में हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी एकमात्र अंतराष्ट्रीय संस्था ''जनरल मोहयाल सभा'' को निष्ठापूर्वक अपने तन–मन–धन से पूरा सहयोग देंगे और बिरादरी की उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगें।

सर्वे भवन्तु सुखिनः...

नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ!

–ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर

मो. 9210869406

नव वर्ष-2014 की शुभकामनाएँ

जनरल मोहयाल सभा के पदाधिकारियों और प्रबंधक–समिति की ओर से विश्व के कोने–कोने में बसे मोहयालों को नव वर्ष 2014 के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। नया वर्ष सबके लिए सुख–समृद्धि से परिपूर्ण और मंगलमय हो।

महान मोहयाल रत्न श्री एस.के. छिब्बर

यह एक ऐसे इन्सान हैं जो हर समय हर जरूरतमंदों की मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं। बात 1968 की है, उस समय छिब्बर साहब चण्डीगढ़ में कार्यरत थे और हरियाणा पंजाब का विभाजन हुआ था। दोनों सरकारों ने घोषणा की थी जो कोई भी हरियाणा से पंजाब या पंजाब से हरियाणा जाना चाहता है आवेदन कर सकता है। मेरी पत्नी श्रीमती चन्द्रकान्ता छिब्बर लुधियाना में सरकारी स्कूल में अध्यापिका थीं। मैंने भी उनको हरियाणा में लाने के लिए आवेदन करा दिया। यह काम इतना आसान नहीं था। मैंने चंडीगढ़ के कई चक्कर लगाए लेकिन बात नहीं बनी। आखिर में मेरे एक रिश्तेदार श्री वैद चंडीगढ़ में उच्चपद पर थे। मैं उनसे मिला। उन्होंने मुझे कहा आफ़िस में श्री एस.के. छिब्बर आप उनसे मिलिए। मैंने कहा मैं तो उन्हें पहचानता नहीं। उन्होंने कहा आप भी छिब्बर हैं। वे आपकी मदद ज़रूर करेंगे। मैंने आकर चपरासी के हाथ पर्ची भेजी। पर्ची मिलते श्री छिब्बर बाहर आकर बोले आप बिना पर्ची के सीधे अंदर आकर मुझसे मिलते। आपको पर्ची भेजने की क्या ज़रूरत थी। उन्होंने चाय–पानी मिलाने के बाद मेरा वहाँ आने का कारण पूछा। मैंने बताया कि मैंने अपनी पत्नी का तबादला लुधियाना से फरीदाबाद करवाना है। उन्होंने फौरन अपनी सेक्रेटरी को बुलावा कर हरियाणा शिक्षा विभाग को एक पत्र लिखा। जिसकी एक कॉपी मुझे भी दी। उसके बाद उन्होंने 3–4 बार शिक्षा–विभाग को पत्र लिखें और हर बार एक कॉपी मुझे भेजते रहे। उनकी बदौलत दिसंबर 1968 में मेरी पत्नी लुधियाना से फरीदाबाद ट्रांसफर हो गई।

आज मेरी पत्नी को रिटायर हुए सोलह वर्ष हो गए हैं। जब कभी मैं श्री एस.के. छिब्बर साहब से मिलता हूँ तो उनको याद दिलाता हूँ कि आपका मुझ पर बहुत बड़ा अहसान है। फरीदाबाद में 24 नवंबर 2013 के मोहयाल मिलन और सम्मान समारोह के उपलक्ष्य में भी मैंने उनसे मिलकर आशीर्वाद ग्रहण किया। भगवान श्री एस. के. छिब्बर जी दीर्घायु प्रदान करें ताकि वह जनरल मोहयाल सभा को और ऊँचाइयों तक ले जा सकें।

जय मोहयाल!

के.जी छिब्बर, *फरीदाबाद*

मो. 9971558079

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

उत्तम नगर

दिनांक 1.12.2013 को उत्तम नगर मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग श्री निखिल मोहन के निवास स्थान राम दत्त एन्क्लेव में सम्पन्न हुई, सभा में 31 सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मंत्र पाठ के उपरान्त प्रधान आर.के. मोहन ने सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि उत्तम नगर सभा की तिथि 10.11.13 की चुनावी रिपोर्ट ठीक समय पर पहुँचने के उपरान्त भी मोहयाल मित्र में प्रकाशित न हो पाने का कारण जी.एम.एस. से जानने का प्रयत्न किया जा रहा है। अगली मीटिंग में इस विषय पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। श्री अविनाश दत्ता जी ने जी.एम.एस. प्रायोजित युवा कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एक युवा टीम बनाने का प्रस्ताव रखा। किस आयु वर्ग के युवाओं को युवा टीम में शामिल किया जाए, आम मोहयाल सदस्यों की जानकारी हेतु इसकी गाईड लाईन्स जी.एम.एस. द्वारा 'मोहयाल मित्र' पत्रिका में प्रकाशित करने का आग्रह किया गया है।

बाऐं से-श्रीमती डिम्पी दत्ता, श्रीमती नीलम दत्ता, श्रीमती पिंकी मेहता, श्रीमती तमन्ना दत्ता, श्रीमती बिमला मेहता, श्रीमती रमा दत्ता और श्रीमती सुमैदा वैद।

श्री अनिल कुमार बाली जी ने विभिन्न कानूनी तथा व्यावहारिक विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सदस्यों के पूर्ण सहयोग तथा शुभ निस्वार्थ भावना से उत्तमनगर मोहयाल सभा अपने प्रारम्भिक वर्षों जैसी प्रशंसा प्राप्त करने में सफल होगी। हमारी एक सदस्या पिंकी मेहता को उत्तम नगर सभा की ओर से सिलाई मशीन उपहार स्वरूप दी गई। एक अन्य सदस्या को जनवरी की मीटिंग में सिलाई मशीन देने का वादा किया गया। सह–सचिव श्रीमती डिम्पी दत्ता ने जनवरी महीने की मीटिंग 5.01.2013 को अपने निवास स्थान एफ–30 ओम विहार एक्सटेंशन में रखने का आग्रह किया जिसे आम सहमति से स्वीकार किया गया।

धन्यवाद प्रस्ताव तथा अल्प जलपान के साथ सभा सम्पन्न घोषित की गई।

चुनाव मीटिंग उत्तम नगर

आज दिनांक 10.11.2013 रविवार श्री अविनाश कुमार दत्ता जी के निवास स्थान एफ–30, ओम विहार एक्सटेंशन में श्री अनिल कुमार बाली जी की अध्यक्षता में उत्तम नगर मोहयाल सभा के आम चुनाव सम्पन्न करवाए गए। गायत्री मंत्र जाप तथा मोहयाल प्रार्थना के उपरांन्त सर्वसहमति से निम्न कार्यकरिणी के सदस्यों का चुनाव सम्पन्न हुआ।

प्रधानः श्री आर.के. मोहन, **महासचिवः** श्री एस.पी. वैद, **वरिष्ठ उपप्रधानः** श्रीमती सुमैदा वैद, **उप-प्रधानः** श्रीमती तमन्ना दत्ता, **सहसचिवः** श्रीमती

डिम्पी दत्ता, **वित्त सचिवः** श्रीमती रमा दत्ता, **प्रचार सचिवः** श्री विनीत बक्शी (छिब्बर)।

कार्यकारिणी सदस्यः श्री अनिल कुमार बाली, श्री अविनाश कुमार दत्ता, श्री पवन दत्ता और श्री अभिषेक मेहता (मोहन)।

चुनाव सभा संबंधी सूचना पत्र दिनांक 21.10.2013 को क्षेत्र के सभी मोहयालों को भेज दिया गया था। इसके अतिरिक्त सूचना भिजवाने में फ़ोन तथा एस.एम.एस. का भी सहारा लिया गया है। चुनाव सभा में क्षेत्र के 40 मोहयालों ने उपस्थिति दर्ज करवाई तथा स्वास्थ्य चर्चा में भाग लेते हुए संकल्प लिया कि उत्तम नगर सभा सदा माननीय रायज़ादा मोहयाल रत्न श्री बी.डी. बाली जी तथा जी.एम.एस. के उद्देश्यों तथा निर्देशों का पालन करते हुए जीएमएस की योजनाओं को क्षेत्र के प्रत्येक मोहयाल परिवार तक पहुँचाने का प्रयत्न करती रहेंगी।

श्री अनिल कुमार बाली जी ने एक मोहयाल बहन के बच्चों की शिक्षा सामग्री हेतु 500 रुपए का सहयोग प्रदान किया। एक अन्य मोहयाल बहन की सिलाई मशीन की आवश्यकता को अगली मीटिंग तक हल करने का विश्वास दिलाया। हल्के जलपान के उपरान्त श्री अनिल कुमार बाली जी ने सबका धन्यवाद करते हुए सभा को सम्पन्न घोषित किया।

आर.के. मोहन, *प्रधान* ***एस.पी. वैद,*** *महासचिव*
(मो.) 9654941010

बराड़ा

मासिक बैठक दिनांक 01.12.2013 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह जी के निवास स्थान पर मोहयाली प्रार्थना गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई गई। जिसमें सभी ने अपनी सहमति प्रदान की। सभा में आए हुए सभी

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सदस्यों से अन्य विषयों पर विचार विमर्श हुआ। सभा के प्रधान जी ने सभी से अनुरोध किया कि सभी मोहयाल बहन–भाई अभी तक मोहयाल सभा बराड़ा व जनरल मोहयाल सभा नई दिल्ली के सदस्य नहीं बने। कृपया करके जल्द से जल्द सभा के सदस्य बनें। जो मोहयाल भाई–बहन आजीवन सदस्य बनना चाहते हैं कृपा करके वे भी बनें। श्री लक्ष्मण दास छिब्बर जी ने सभी मोहयाल विद्यार्थियों को संदेश दिया– हे, मेरे प्यारे मोहयाल विद्यार्थियों आप सभी की वार्षिक परीक्षा बहुत नजदीक है। कृपया करके आप सभी मन लगाकर पढ़ाई करें। ताकि आप विद्यार्थियों के भी वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करें ताकि 2014 के 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह' में मोहयाल सभा बराड़ा के विद्यार्थियों का भी नाम हो।

अंत में सभा के प्रधान सं. हरदीप सिंह वैद जी व समस्त परिवार का अच्छे व स्वादिष्ट जलपान के लिए धन्यवाद किया।

स. वरिन्दरपाल सिंह बाली, *जनरल सैक्रेटरी*
मो. 9991541515

नजफगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़ नई दिल्ली–43 की दिसम्बर 2013 मास की बैठक दिनांक 01.12.2013 को प्रातः 10:30 बजे श्री हर्षदत्ता के निवास स्थान पुराना रोशनपुरा नजफगढ़, नई दिल्ली में सभा प्रधान कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 15 बहन–भाई उपस्थित हुए।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने: 1. सितंबर 2013 मास की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया।

2. सितम्बर से नवम्बर 2013 मास के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

प्रधान जी ने बताया कि उनके पेट की सर्जरी होने के कारण अक्टूबर मास की बैठक एवं दीपावली के उत्सव के कारण नवम्बर मास की बैठक नहीं हो पाई।

नववर्ष की बधाई: आगामी नववर्ष–2014 के उपलक्ष्य में सभी परिवारों के सुख–शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई और सम्पूर्ण बिरादरी को इस नये वर्ष की शुभ कामनाएँ।

सदस्यता: वर्ष–2014 के लिए 'जनरल मोहयाल सभा' एवं मोहयाल सभा नजफगढ़ की सदस्यता का शुल्क जनवरी–2014 में वित्त सचिव के पास भेजने की प्रार्थना की।

मोहयाल मित्र का शुल्क: जिन भाइयों को जनवरी या उसके आगे के लिए मोहयाल मित्र की आवश्यकता हो वह भाई 200 रुपए प्रतिवर्ष के हिसाब से जनरल मोहयाल सभा को स्वयं अथवा मोहयाल सभा नजफगढ़ के द्वारा भेजने की कृपा करें।

शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना: ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना के लिए पोते कर्ण छिब्बर एवं अर्जुन छिब्बर ने सभा कोष में 251 रुपए दान दिए। बधाई एवं धन्यवाद।

जनवरी 2014 मास की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में दिनांक 05.01.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर, *प्रधान*
मो. 9210869406

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 7 दिसम्बर 2013 को प्रधान श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में जी.एम.एस. मैनेजिंग कमेटी के सदस्य श्री ऋत मोहन जी के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वन्दना के पश्चात श्रीमती अनू धर्मपत्नी श्री सतीश मेहता जिनका की 7 नवम्बर 2013 को निधन हो गया था की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। वे श्री दीपक बाली जी की साली थीं।

आज भी मींटिग में हरियाणा के पूर्व मन्त्री श्री सचदेव त्यागी तथा उनके भतीजे श्री दीपक त्यागी, सरपंच भी उपस्थित थे। उन दोनों का स्वागत किया गया। श्री त्यागी ने इस अवसर पर कहा कि मोहयाल बिरादरी से वे भली भाँति परिचित हैं, उन्होंने कहा कि इस कौम के लोग हमारी सेनाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपकी मोहयाल प्रार्थना की एक–एक बात मुझे बहुत अच्छी लगी है, जिसमें की समाज व विरादरी के आपसी भाई–चारा तथा हित की बात कही गई है। सदस्यों ने वर्ष 2014 में उन्हें एक बार फिर विधायक तथा मन्त्री बनने के लिए शुभ कामनाएँ दीं।

6 दिसम्बर 2013 को श्री कैलाश वैद व श्रीमती पूनम वैद की शादी की वर्षगांठ थी। उन्हें बधाई दी गई। साथ ही श्री विजय मेहता व श्रीमती नीलम मेहता जी को भी शादी की साल गिरह की मुबारकबाद दी गई।

श्रीमती सुनीता मोहन धर्मपत्नी श्री ऋत मोहन 30 नवम्बर 2013 को डॉ. एम.के.के. आर्य मॉडल स्कूल, पानीपत से सेवानिवृत्त हुई हैं। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. मन्जू सेतिया, संस्था के निदेशक श्री आर.एल. सैनी ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। मोहयाल सभा के सदस्यों ने उनके आने वाले समय में अच्छे स्वास्थ्य व अच्छे समय की कामना की। गुड़िया अराधिता सुपुत्री श्री लवनीश व पूजा मेहता का प्रथम बार मीटिंग में आने पर स्वागत किया गया।

कंचन मेहता छिब्बर व गौरव मेहता छिब्बर को 10वीं कक्षा में 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' मिलने पर बधाई दी गई। शान्ति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती सुनीता मोहन तथा श्री ऋत मोहन जी का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव*
मो. 94164121341, 9315017928

अंबाला छावनी

दिनांक: 9.11.2013
स्थान: परम शहीद भाई मतिदास समाधि इंडस्ट्रियल एरिया
उपस्थिति: 12
प्रधान: कै. पी.आर. वैद

8 नवंबर 2013 को आदरणीय भाई जी.डी. छिब्बर जी द्वारा दिए गए संदेश अनुसार जिसमें सारे मोहयालों को भाई मतिदास जी के (9.11. 2013 को) मनाए जाने वाले शहीदी दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आग्रह किया गया, अतः इसी कारण सुभाष पार्क में होने वाली सभा मीटिंग का स्थान बदल दिया गया तथा 9.11.2013 को सारे

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सदस्य भाई जी.डी. छिब्बर जी की फैक्टरी के प्रांगण में भाई मतिदास व भाई परागा की समाधि के पास मोहयाल मीटिंग दोपहर 12 से 1 बजे तक की गई। मोहयाल प्रार्थना के बाद पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई गई तथा सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

प्रधान कै. पी.आर. वैद जी ने सदस्यों को बताया कि 10 नंवबर 2013 को मोहयाल सभा अंबाला सिटी द्वारा आयोजन "मोहयाल मिलन" अंबाला कल्ब में अधिक से अधिक मोहयाल भाई–बहन शरीक होकर मेले की शोभा बढाएँ। साथ ही इस अवसर पर 3100 रु. की भेंट मोहयाल सभा अंबाला सिटी को देना का निर्णय लिया गया। मौजूद सदस्यों ने शीघ्र ही 1800 धन राशि इकट्ठी की। महासचिव ने मोहयाल मित्र में छपे नोटिस के बारे बताया कि जीएमएस की साल 2014 की सदस्यता तथा मोहयाल मित्र की सदस्याता ग्रहण करने के लिए निम्नलिखित शुल्क भेजें।

मोहयाल मित्र सदस्यता–200 रुपए, जीएमएस आजीवन/वार्षिक सदस्यता–2100 रु.। इस बार सदस्यता फारमैट के अनुसार हस्ताक्षर करके सैक्रेटरी को दे दें ताकि आवेदन पत्र जी.एम.एस. के पास 31.12.2013 तक पहुँच जाने चाहिए।

सभा की समाप्ति के बाद भाई जी.डी. छिब्बर ने परम शहीद भाई मतिदास के शहीदी दिवस पर आमंत्रित; जाने माने मेहमानों से मिलवाया तथा मौजूद भाई–बहनों ने तालियों के साथ स्वागत किया। छिब्बर परिवार सहित ज्ञानी जी द्वारा बाबा परागा व भाई मतिदास जी की समाधि के समक्ष, पूजा पाठ किया गया तथा सबने प्रसाद ग्रहण किया। प्रो. डॉ. रतन सिंह तथा श्री दीपक वैद अंबाला शहर से, के द्वारा परम शहीदों की कुर्बानी का विस्तार से भाषण व कविताओं के माध्यम से वर्णन किया तथा लगभग दो सौ से अधिक पहुँचे मेहमानों से आग्रह किया कि युवा पीढ़ी को इन परम शहीदों की अमर गाथाओं से परिचित कराएँ तथा प्रभावित करें। इन बुर्जगों द्वारा धर्म की खातिर शहीदीयों की याद दिलाएं जो कि एक गौरव की बात है।

अंत में श्री जी.डी. छिब्बर ने उपस्थित मेहमानों का स्वागत व धन्यवाद करते हुए विनती की कि प्रस्थान से पहले सब मेहमान गुरूजी का लंगर ग्रहण करके जाएं। प्रधान कै. पी.आर वैद जी ने मोहयाल सभा की तरफ से जी.डी. छिब्बर जी का आभार व्यक्त किया।

■ दिनांकः 1.12.2013
स्थानः सुभाष पार्क
उपस्थितः 12 सदस्य
प्रधानः कै. पी.आर. वैद

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद सदस्यों ने श्रीमती वैद पत्नी श्री एम.के. वैद जो कि रेलवे अस्पताल में दाखिल हैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

शोक समाचारः श्री बलविंदर सिंह निवासी पटियाला का निधन 30.10.2013 को अपने निवास स्थान पर हो गया वह धर्मवीर बाली जी के बहनोई थे। उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

सब मोहयाल भाई बहनों ने (जिन्होंने अंबाला शहर मोहयाल मिलन में हाज़री दी) जम कर तारीफ की। हर प्रकार से, वहाँ पर पहुँचे अतिथियों के अभिनंदन से लेकर चाय नाश्ते का प्रबंध, बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम,जाने माने व्यक्तियों द्वारा मोहयालियत का संदर्भ देते हुए कौम की शहीदों का वर्णन करके, युवा पीढ़ि को आगे आने की प्रेरणा तक दोपहर का लंगर तथा वहाँ का प्रबंध सराहनीय था।

मोहयाल सदस्यों ने जी.एम.एस. द्वारा मोहयाल मित्र के वार्षिक शुल्क को 100 रु. से बढ़ा कर 200 रु. की वृद्धि को असंभावित बताया तथा उदासीनता का संदेश दिया। अनुमानित वृद्धि 50 रु. थी कुल 150 रु.।

डिप्टी कमांडेंट पी.आर. मेहता ने जी.एम.एस. के लिए सुझाव दिया कि वाहन (कार आदि) में सफर करने वाले मोहयालों की शीघ्र पहचान के लिए "जी.एम.एस. लोगो" जैसा मोहयाल मित्र के पहले पन्ने पर छपा है उसी प्रकार का रंगीन लोगो जो 4–5' व्यास का गोलाकार या अंडाकार स्टिकर के रूप में जिस पर स्लोगन हो 'जी. एम.एस. के सदस्य बनें' यह इंगलिश में हो सकता है। इसकी कीमत लगभग 5 रु. प्रति पीस पड़ेगी।

लोकल सभाएँ डिमांड अनुसार शुल्क भेज दें। जीएमएस से निवेदन है कि इस विषय पर अपनी मीटिंग में चर्चा कराके कमेटी की राय लेकर आगे की कार्यवाही करें। प्रधान जी अनुमति से सभा की समाप्ति हुई।

कै. पी.आर. वैद, *प्रधान* — ***एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो. 8930049580 — *मो. 9896102843*

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा ने अपना 14वाँ मोहयाल मिलन व सम्मान समारोह 24 नवम्बर 2013 को फरीदाबाद नगर निगम सभागार में बड़े हर्ष, उल्लास व उत्साह के साथ आयोजित किया।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी, मोहयाल रत्न श्री एस.के. छिब्बर, श्री ओ.पी. मोहन, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री पी.के. दत्ता, श्री डी. वी. मोहन, डॉ. अशोक लव, श्री सुशील कुमार छिब्बर, श्री के.जी. मोहन, श्रीमती सुनीता मेहता, श्री अश्वनी बख्शी व श्री कृष्णलता छिब्बर व अन्य सभाओं से आए विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति से वातावरण महक उठा।

रायज़ादा बी.डी. बाली जी द्वारा ध्वजारोहण व मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम ब्लू बर्ड सीनियर सैकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि मोहयाल रत्न रायज़ादा बाली जी, श्री एस.के. छिब्बर, श्री ओ.पी. मोहन, फरीदाबाद मोहयाल सभा के प्रधान श्री रमेश दत्ता व अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत 'दीप जलाओ, दीप जलाओ, अँधियारे को दूर भगाओ' गीत ने इस पल को और भी मनमोहक बना दिया।

तत्पश्चात् फूल मालाओं, सम्मान व 'जय मोहयाल' की गूँज के साथ सर्वप्रथम श्री बी.डी. बाली जी को व उनके उपरान्त अन्य उपस्थित अतिथि गण को ससम्मान मंच पर लाया गया। मंच का संचालन श्रीमती नीलिमा मेहता द्वारा बड़ी दक्षता से किया गया।

सभा के प्रधान श्री रमेश दत्ता ने जी.एम.एस. व अन्य लोकल सभाओं

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

से आए अतिथियों व फरीदाबाद के परिवारों का स्वागत किया व सभी को फरीदाबाद मोहयाल सभा की गतिविधियों से अवगत करवाया।

उसके उपरान्त श्री बी.एल. छिब्बर जी ने सभी उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए जी.एम.एस. व मोहयाल मित्र के इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि हमारी 'मोहयाल मित्र' मासिक पत्रिका 122 साल पुरानी है व लिम्का बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी है। नौजवानों को अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरित करने के साथ ही उन्होंने मोहयाल ट्रस्ट के महत्व को समझाया व अधिक से अधिक ट्रस्ट खुलवाने की बात कही। अपने सम्बोधन में श्री पी.के. दत्ता जी ने कहा कि वे मोहयाल होने पर खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं। उन्होंने मोहयालों को न केवल एक बहादुर कौम बताया बल्कि कहा कि काम के प्रति सच्ची निष्ठा, कर्त्तव्य के साथ पूरी ईमानदारी व वफादारी मोहयालों को प्रथम पंक्ति में खड़ा कर देती है।

श्री डी.वी. मोहन जी ने बताया कि किस प्रकार छोटी सी उम्र में वे मोहयाल सभा के साथ जुड़े व अब रिटायरमेंट के उपरान्त करीब 22 सालों से पूर्णरूप से जी.एम.एस. को अपना समय दे रहे हैं। श्री रमेश दत्ता जी ने मोहन साहिब द्वारा दी जा रही निःस्वार्थ सेवाओं की सराहना की।

इस अवसर पर मोहयाल यूथ के सदस्यों ने श्री अभिषेक दत्ता सुपुत्र श्री पी.के. दत्ता को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते हुए उनके जन्मदिन की बधाई दी।

फरीदाबाद के श्री आर.पी. मेहता जी ने सभी को योग संबंधी जानकारियाँ दी और कहा कि भारत तथा मजबूत देश बन सकता है जब वहाँ का नौजवान स्वस्थ हो और स्वस्थ रहने के लिए योग अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. अशोक लव ने फरीदाबाद मोहयाल सभा को अन्य सभाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए सभा की गतिविधियों की सराहना की। साथ ही उन्होंने जी.एम.एस. की ज्यादा से ज्यादा आजीवन सदस्यता, मोहयाल मित्र की सदस्यता लेने व नई पीढ़ी को जी.एम.एस. के साथ जुड़ने का संदेश दिया।

इसी दौरान श्री रमेश दत्ता जी के आग्रह पर कैप्टन डोबाल जी ने 'मोहयाल चालीसा' पढ़ा। श्री बी.डी. बाली जी ने उनकी किताब का विमोचन किया। सभी जनो को 'मोहयाल चालीसा वितरित की गई व अन्य सभाओं को भी उसकी प्रतियाँ ले जाने को कहा। श्री एस.के. छिब्बर जी ने भी ज्यादा से ज्यादा मोहयाल परिवारों को जोड़ने की अपील की व ट्रस्ट व आजीवन सदस्य बनने व बनाने पर बल दिया।

इस अवसर पर फरीदाबाद के 10वीं व 12वीं के ग्यारह प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने पुरस्कृत किया। सभा के प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने श्री बी.डी. बाली जी को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए अनुरोध किया कि आयोजन में आए सभी अतिथिजनों को वे अपने हाथों से स्मृति चिह्न भेंट करें। फरीदाबाद वर्किंग कमेटी के सदस्यों ने जी.एम.एस. से आए विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए। अपने संबोधन में जीएमएस के प्रधान रायज़ादा बाली साहिब ने सभी लोकल सभाओं में सक्रिय भाग लेने की सलाह दी व जीएमएस की रचनात्मक गतिविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने सभी लोकल सभाओं से अपील की कि वे प्रत्येक मोहयाल परिवार में जाकर एकजुट करें व अगर किसी मोहयाल परिवार की कोई समस्या है तो लोकल सभा व जीएमएस दोनों ही उनको आर्थिक सहायता देने के लिए हमेशा ही तत्पर हैं।

मोहयाल सभा की ओर से आयोजित स्वादिष्ट भोज के उपरान्त बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री ओ.पी. मोहन जी ने सभी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए व फरीदाबाद के उपस्थित परिवारों के मुखिया को सम्मान पुरस्कार भेंट किए।

श्री जी.एल. दत्ता (जोश) साहब, श्री योगेश मेहता, श्री अश्वनी बाली जी व श्रीमती अम्बा बाली जी ने सभा को अपनी शुभकामनाएँ भेजीं।

अंत में श्री रमेश दत्ता जी ने श्री दलीप सिंह दत्ता व उनके सहयोगी (यमुनापार) श्री कामरान दत्ता व श्री एस.पी. दत्ता (आगरा), श्री जे. पी. मेहता व श्रीमती नीरू दत्ता (अंबाला), श्री यशवंत दत्ता (देहरादून), श्री सुनील दत्त (उत्तमनगर), श्री हरिओम मेहता (जनकपुरी), श्री जे. सी. बाली व श्री जे.एल. बाली (गुड़गाँव) को फरीदाबाद मोहयाल सभा को अपना अमूल्य समय देने के लिए हार्दिक धन्यवाद किया व कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए फरीदाबाद वर्किंग कमेटी के सदस्यों को भी दिल से शुक्रिया कहा।

■ फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक एक दिसंबर 2013 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 30 भाई–बहनों ने भाग लिया।

मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त श्री सुनील बाली सैक्टर 3, जिनकी पत्नी का पिछले सप्ताह देहांत हो गया था। सभी ने उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने अक्टूबर मास की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। सभी ने 24 नवम्बर को जो मिलन एडीटोरियम में हुआ है उसकी कामयाबी की चर्चा की। रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि काफी लोग हॉल में नहीं आए। बाहर ही धूप सेककर और खाना खा कर चले गए। सभी भाई–बहनों ने यह बात स्वीकार की। और सलाह दी कि आगे कोई ऐसा काम किया जाए जो सभी भाई–बहन हॉल में प्रवेश कर सकें। रमेश दत्ता जी ने बताया कि आज के नाश्ते का इंतजाम के.जी. छिब्बर जी की तरफ से है। 4 दिसम्बर को उनकी शादी की 48वीं सालगिरह है। सभी ने उनकी दीर्घआयु की कामना की। इस मौके पर श्रीमती बाला बाली जी ने गीतों के जरिए उनकी शुभकामनाएँ के गीत गाए, जिसे सभी ने सराहा।

इस मौके पर मिथलेश दत्ता जी ने निम्नराशि एकत्र की। आर.सी. दत्ता जी ने 500 रुपए, के.जी. छिब्बर ने 250 रुपए अपनी शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में और शिव कुमार बाली जी ने 151 रु. सभा को भेंट किए।

सभा की मीटिंग में पहली बार आए गिरीश वैद जी और बलराम दत्ता के बेटे जो हिमाचल से आए थे अपना परिचय दिया, सभी ने उनके पहली बार आने पर तालियाँ से स्वागत किया। रमेश दत्ता जी ने अपनी और सभी की ओर से छिब्बर जी को मुबारकबाद दी और सभी ने खाने का आनंद लिया। रमेश दत्ता जी ने सभी को नए साल की शुभकामनाएँ दी और बताया कि अगली मीटिंग 5 जनवरी को ही होगी। सभी भाई–बहन आने की कोशिश करें।

रमेश दत्ता, प्रधान — *मो. 9999078425*

रायज़ादा के.एस. बाली, जन. सेक्रेटरी — *मो. 9899068573*

Donate Generously towards Mohyal Ashram

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पांवटा साहिब

दिनांकः 25.11.2013

स्थानः निवास श्री अशोक मेहता सह–सचिव मोहयाल सभा पावंटा साहिब मकान नं. 109, वार्ड नं.–8, सिनेमा गली, सामने बस अड्डा, पाँवटा साहिब, जिला सिरमौर, हि.प्र.–173025।

उपस्थितः 38

अध्यक्षताः श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान)

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई व सभी ने अपनी सहमति प्रदान की।

शुभ समाचारः श्री अशोक मेहता व श्रीमती विनोद मेहता जिनकी 35वीं सालगिरह दिनांक 25.11.2013 को थी सभी मोहयाल भाई बहनों व रिश्तेदारों के साथ हर्ष पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर श्रीमती

बिमला मेहता (श्री अशोक मेहता की माता जी) ने 250 रु. मोहयाल सभा पांवटा साहिब व 250 रु. जी.एम.एस. को भेंट किए।

श्री टी.के. बाली प्रधान मोहयाल सभा नारायणगढ़ सभा के सदस्यों सहित इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री टी.के. बाली जी ने इस अवसर पर अपने विचार रखे व मोहयाल सभा पांवटा साहिब को शुभकामनाएँ दीं।

श्री सुलक्षण बाली सुपुत्र श्री सूरज प्रकाश बाली ने आजीवन सदस्यता ग्रहण करने हेतु आवेदन दिया। श्री विनोद छिब्बर जी ने अपने बेटे व बेटी की शादी हुत मोहयाल मित्र में प्रकाशन के लिए विवरण दिया।

अगली मीटिंग 8.12.2013 (रविवार) को शिव मन्दिर धर्मशाला बद्रीनगर में सायं 3.00 बजे निश्चित की गई।

उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा श्री अशोक मेहता जी व श्रीमती विनोद मेहता जी का चाय नाश्ते के आयोजन के लिए धन्यवाद किया गया व शादी की 35वीं सालगिरह पर शुभकामनाएँ दीं।

शांति पाठ के साथ मीटिंग का समापन किया गया।

सूरज बाली, *प्रधान* ***अरुण छिब्बर,*** *सचिव*

देहरादून

मोहयाल सभा देहरादून की मासिक मीटिंग 1 दिसंबर 2013 मोहयाल स्कूल में श्री राजेश मोहन की अध्यक्षता में हुई, 16 सदस्यों ने भाग लिया, मुख्य अतिथि कर्नल प्रवीन कुमार मेहता पुणे ने भी बैठक की शोभा बढ़ाई।

स्वागतः पुणे से पधारे कर्नल प्रवीन कुमार मेहता का सभा की ओर से पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। कर्नल प्रवीन कुमार मेहता ने कहा

कि उन्हें इस मीटिंग में शामिल होने का सुखद अनुभव हुआ कि सभी मोहयालों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक हैं और अपने अनुभवों के बारे में बताया व कहा कि मैं यहाँ मोहयाल सभा देहरादून आकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। सभी मोहयाल बन्धुओं ने मिलकर मोहयाल प्रार्थना की।

शोक प्रस्तावः सभा की ओर से श्रीमती सुशीला दत्ता जी श्रीमती सुमिता दत्ता और श्री यशपाल बक्शी के निधन पर शोक प्रस्तावित किया गया तथा दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

यशवंत दत्ता ने अपनी भाभी श्रीमती सुमिता दत्ता (पत्नी श्री बी.के. दत्ता) के निधन पर जीएमएस को 500 रु. तथा मोहयाल सभा देहरादून को 1000 रु. दान दिए तथा श्री मनमोहन बाली (उपाध्यक्ष मोहयाल सभा प्रेमनगर) ने अपनी बहन श्रीमती सुमिता दत्ता के निधन पर जी. एम.एस. को 200 रु. तथा मोहयाल सभा देहरादून को 200 रु. दिए। श्री सामेश कुमार छिब्बर ने अपनी बेटी नीरज छिब्ब कि प्रिंसिपल पद पर नियुक्त होने पर सभा को 201 प्रदान किए।

सहायतार्थ कोष कि स्थापनाः प्रधान राजेश मोहन ने सबको अवगत कराया कि मोहयाल सभा देहरादून कि ओर से एक परिवार को 3500 रु. कि आर्थिक सहायता प्रदान कि गई। जिसमें 1000 रुपए सभा की ओर से तथा 1000 रु. पूर्व प्रधान राजीव दत्ता जी की ओर से व 500–500 रुपए राजेश मोहन, यशवंत दत्ता तथा प्रमोद मेहता कि ओर दिए गए। इसे सभा के सभी सदस्यों ने सराहा श्री एन.के. दत्ता (मोहयाल प्राइड) ने एक सहायतार्थ कोष खोलने का सुझाव दिया जिसपर सबने सहमति दी श्री एन.के. दत्ता (मोहयाल प्राइड) श्री सोमेश कुमार छिब्बर (मोहयाल प्राइड) डॉ. कमल रतन वैद (मोहयाल प्राइड) जी ने इसमें 1000–1000 रुपए योगदान दिया।

प्रस्तावः श्री गोविन्द मोहन ने समय–समय पर मोहयाल बच्चों के लिए कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं के आयोजन का सुझाव दिया।

यशवंत दत्ता ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

यशवंत दत्ता, *जन. सेक्रेटरी (मो. 09358321592)*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती आशा जी की तरफ से मोहयाल भवन यमुनानगर में हुई, मीटिंग की शुरूआत गायत्री मंत्र के साथ हुई। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। श्रीमती कमला दत्ता जी ने सभा की अध्यक्षता की। सभा में स्थापना दिवस मनाने पर विचार हुआ।

अम्बाला मोहयाल सभा ने 10 नवम्बर को मोहयाल मेले का आयोजन किया। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने मेले की अध्यक्षता की। मेले में जीएमएस के सभी सदस्यों ने भाग लिया। मेले में यमुनानगर स्त्री मोहयाल सभा की तरफ से श्रीमती कमला दत्ता जी (प्रधान), श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव), श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती बाला मेहता और श्रीमती अनिता जी ने भाग लिया।

मोहयाल मेले का आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। यमुनानगर मोहयाल सभा और जगाधरी मोहयाल सभा के भाइयों ने भी भाग लिया।

श्री बी.डी. बाली जी ने मेले में संबोधित करते हुए युवाओं द्वारा किए गए कार्यों को सराहा। उत्तराखंड में हुई त्रासदी में युवाओं द्वारा किए गए सहायता कार्यों के लिए उनको सराहा। युवाओं से अपील की वे आगे आकर मोहयाल बिरादरी की ओर भी ऊँचाई पर पहुँचाए।

अंबाला स्त्री मोहयाल सभा भी अच्छा कार्य कर रही है। मेले में श्री जे. पी. मेहता ने स्त्री सभा यमुनानगर को सम्मानित किया श्रीमती कमला दत्ता (प्रधान) को पुरस्कृत किया गया, मेले में रंगारंग कार्यक्रम को काफी सराहा गया सभी बहनों ने अंत में प्रीति–भोज का आनन्द उठाया।

स्त्री सभा यमुनानगर की तरफ से श्री जे.पी. मेहता, श्री अश्वनी बक्शी को धन्यवाद और उनके द्वारा आयोजित सफल मेले के लिए बधाई श्री विनोद जी (प्रधान खन्ना सभा) द्वारा मेले में दिए गए सहयोग के लिए उनको धन्यवाद। स्त्री सभा यमुनानगर ने अंबाला मोहयाल सभा को 2100 रु. भेंट किए।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

*-**प्रवीण बाली** (सचिव)*
फोन: 01732–226799

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड पर दिनांक 1.12.2013 को हुई। सबसे पहले गायत्री मन्त्र का पाँच बार पाठ किया गया। चुनाव द्वारा करवाने के लिए मोहयाल सभा होशियारपुर की कार्यकारिणी को भंग कर, प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी ने अपना त्याग पत्र वरिष्ठ एन.आर.आई. सैल प्रधान श्री जगदीश लाल मेहता जी को दिया। चुनाव में सभी मोहयाल भाई बहनों ने सर्वसम्मति से पुना श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी को प्रधान चुना तथा उन्हें अपनी नई कार्याकारिणी बनाने का अधिकार दिया। इस अवसर पर प्रधान जी ने निम्न सदस्यों को अपनी कार्यकारिणी के पदाधिकारी मनोनित किया।

प्रधानः श्री श्याम सुन्दर दत्ता, **महामन्त्रीः** श्री विजयंत बाली, **मंत्रीः** श्री मनोज दत्ता, **वशिष्ठ उप प्रधानः** श्री दिनेश दत्ता, **उपप्रधानः** श्री इन्द्र मोहन बाली, **उपप्रधानः** श्री पी.पी. मोहन, **प्रधान एन.आ. आई. सेलः** श्री जगदीश लाल मैहता, **कोषाध्यक्षः** श्री पवन मेहता, **प्रैस सैक्रेटरीः** श्री वरिन्द्र दत्त वैद, **आफिस सेक्रेटरीः** श्री राजीव मोहन और **जीएमएस रिप्रेजिटिवः** श्री अरविंद मैहता।

सभी ने प्रधान जी को द्वारा प्रधान बनने पर बधाई दी तथा इस

अवसर पर श्री आर.सी. मेहता ने होशियारपुर सभा को 2100 रु. का अपना योगदान दिया।

अंत में श्री राजिन्द्रपाल मेहता जी श्री जगदीश लाल मैहता के चचेरे भाई थे, जिनका निधन 6.11.13 को हो गया था, उनकी रस्म पगड़ी पर जो 17.11.13 को हुई थी।, जिसमें होशियारपुर मोहयाल सभा के काफी सदस्य शामिल हुए थे। इस अवसर पर उनके पुत्र ने 500 रु. जीएमएस तथा 500 रु. होशियारपुर सभा को दिए।।

इस अवसर पर जगदीशलाल मेहता, श्री विजयंत बाली, दिनेश दत्ता, पवन मैहता, मनोज दत्ता, पी.पी. मोहन, वरिन्द्र दत्त वैद, अरूण बाली, अनीता दत्ता, चन्द्रकांता दत्ता, जनिन्द्र दत्त वैद, ईशान मैहता उपस्थित थे।

*-**विजयंत बाली**, महासचिव*

जी.एम.एस. और मोहयाल मित्र के सदस्य बनें

- मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दुःख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यों और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल 200 रु. हैं
- जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनें। आजीवन सदस्यता शुल्क 2100 रु. है। मोहयालों की सर्वोच्च संस्था के कदम के साथ कदम मिलाकर चलें। आजीवन सदस्यों को मोहयाल मित्र आजीवन निःशुल्क मिलता है।
- मोहयाल मित्र कोरियर से प्राप्त करने के लिए कार्यालय से संपर्क करें।

समस्त जानकारियों के लिए संपर्क करें–011–26560456

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्व. श्री पी.एल. बाली जी को श्रद्धा-सुमन

स्वर्गीय श्री पी.एल. बाली जी का जन्म 15 अगस्त सन् 1937 मैं गाँव 'शेरवान कलां' तहसील एबटाबाद (हज़ारा–पाकिस्तान) मैं हुआ। पिता फकीरचंद जी की मृत्यु उनके बचपन मैं ही हो जाने

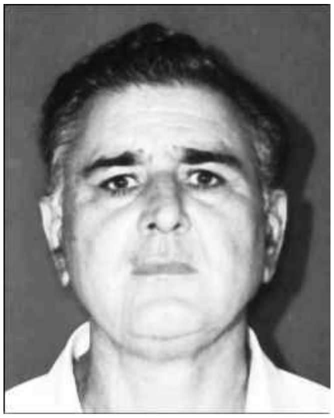

पर माता सीता देवी जी ने उनको व दो बहनों श्रीमती दर्शना (वैद) एवं स्वर्गीय श्रीमती कमला (दत्ता) के साथ पाल–पोसा। पिता की मृत्यु के बाद उन्हें छोटी उम्र से ही जिम्मेदारियों से दो–चार होना पड़ा।

बँटवारे की त्रासदी से उनका परिवार भी अछूता नहीं रहा, यद्यपि पिता फकीरचंद जी एक बहुत बड़े परिवार से थे और सभी मिल कर ही बंटवारे के समय जम्मू के रास्ते से दिल्ली आए परन्तु इस दौरान कुछ अपने जैसे मेरे दादा जी और उनके चाचा जी स्व. श्री हंसराज बाली जी कबालियों से लड़ते हुए शहीद हो गए।

प्रारम्भिक शिक्षा में दिक्कतें आना स्वभाविक था, मैट्रिक दिल्ली के पास सटे बादली रहते हुए की, और स्टेट बैंक में क्लर्क के तौर पर नौकरी प्रारम्भ की, बाद में लगातार पढ़ते हुए वह आगे बढ़े और स्टेट बैंक मुख्य ब्रॉच से मैनेजर की पोस्ट से रिटायर हुए। अत्यंत आज्ञाकारी श्री पी.एल. बाली जी ने अपनी दोनों बहनों की व अपनी शादी की और सभी अन्य पारिवारिक भाई–बहनों को यथायोग्य सहयोग भी दिया।

बेहद विनम्र हंसमुख बाली साहिब ने सन् 1980 के आसपास से ही मोहयाल सभा यमुनानगर (दिल्ली) की गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू किया और सदैव उससे जुड़े रहे। मधुरभाषी श्री बाली साहिब कई वर्षों तक जनरल मोहयाल सभा से जुड़े रहे अपने जीवन के अंतिम में कई वर्षों तक वह जीएमएस के सेक्रेटरी फाईनेंस रहे। सादा जीवन जीने वाले बाली साहिब ईमानदारी, कर्त्तव्य और निष्ठा की एक मिसाल थे। मैं बचपन से ही उनके सान्निध्य में रहा, परन्तु हम सभी ने उनके शाँत व्यक्तित्व से डरते थे और ज्यादा बातचीत नहीं होती थी, बड़ा होते होते मेरी उनसे कई विषयों पर चर्चा हुई, मोहयाल कौम के बारे में मुझे जितनी भी प्रारंभिक शिक्षा मिली उसका पूरा श्रेय ताया जी को ही जाता है। जीवन के कई भावुक क्षणों में मैंने उनको बेहद भावुक पर स्थिर पाया।

18 दिसम्बर 2007 को कुछ दिन बीमार रहने के बाद वह स्वर्ग सिधार गए, मेरी और हमारे पूरे परिवार की तरफ से भावभीनी श्रद्धांजलि!

-संजीब बाली *(बंटी बाली), मो. 9811758418*

श्रीमती सुमिता दत्ता जी का निधन

गत 5 नवम्बर को श्रीमती सुमिता दत्ता जी (पत्नी श्री बी.के. दत्ता) का देहरादून में निधन हो गया वो पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी विनम्र श्रद्धांजलि। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनके समस्त शोक–संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहने की शक्ति दे। मोहयाल सभा देहरादून के जनरल सेक्रेटरी यशवंत दत्ता कि भाभी थी। उनके परिवार में पुत्र समीर दत्ता (लाडी) व एक पुत्री दिशा है।

उनके निधन पर यशवंत दत्ता ने जी.एम.एस. को 500 रुपए तथा मोहयाल सभा देहरादून को 1000 रु. दिए तथा श्री मनमोहन बाली (उपाध्यक्ष मोहयाल सभा प्रेमनगर) ने अपनी बहन श्रीमती सुमिता दत्ता के निधन पर जी.एम.एस. को 200 रु. तथा मोहयाल सभा देहरादून को भी 200 रु. भेंट किए।*–यशवंत दत्ता, देहरादून*

विचारधारा

ऋग्वेद	यजुर्वेद	सामवेद	अर्थवेद
आत्मविश्वास	बहादुरी	ईमानदारी	जिम्मेदारी
स्वावलम्बी युवक	स्वास्थ्य युवक	शालीन युवक	सेवाभावी युवक

विचार शक्ति का सदुपयोग किया जा सके, इसके लिए हमें अपने विचार तंत्र का गहराई के साथ निरीक्षण करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि कहीं निष्प्रयोजन, निरर्थक तथा असंबद्ध और अस्त–व्यवस्त सोच–विचार करने की आदत तो नहीं लग गई? यदि ऐसा कुछ भी हो तो उस बर्बादी को रोकने के लिए सक्रिय कदम बढ़ाने चाहिए। जीवन के साथ जुड़ी हुई असंख्य दिशाएँ एवं समस्याएँ सामने होती है। उन पर क्रमबद्ध रूप से विचार किया जाए और किसी उपयोगी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए तर्क तथ्य और प्रमाणों का पक्ष–विपक्ष सामने जा सकेंगे, जिन्हें कार्यान्वित करके वर्तमान स्थिति में सुधार कर सकना सम्भव हो सके।

मनुष्य अपने भाग्य का विधाता आप है। इस विश्वास के आधार पर हमारी मान्यता है कि हम उत्कृष्ट बनेंगे और दूसरों को श्रेष्ठ बनाऐंगे। हम बदलेंगे युग बदलेगा। हम सुधरेंगे युग सुधरेगा। इस तथ्य पर हमारा पूर्ण विश्वास है।

जय मोहयाल!!

–सूरज बाली, *प्रधान मोहयाल सभा पांवटा साहिब, हि.प्र. मो. 9318807392*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor